खबर संक्षेप

पुराने भवन को ध्वस्त कर नव निर्माण का प्रस्ताव

मंडला-कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने शुक्रवार की शाम जिला पंचायत कार्यालय का निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने पंचायती राज शाखा, स्थापना, स्टेनो कक्ष सहित अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जिला पंचायत के पुराने भवन को ध्वस्त कर वहाँ जिला पंचायत की आय बढ़ाने के लिए नव निर्माण का प्रस्ताव व प्राक्कलन तैयार करने का सुझाव दिया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विनोद मरावी, सहायक परियोजना अधिकारी श्री कपिल तिवारी, सहित संबंधित मौजूद रहे।

कन्या विवाह/निकाह का आयोजन 26 को

मंडला- शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह कार्यक्रम का आयोजन 26 अप्रैल, रविवार को किया जाएगा। यह कार्यक्रम संगम घाट, महाराजपुर (मंडला) में प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके एवं सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित रहेंगे। साथ ही विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं जनपद पंचायत, नगर पालिका के पदाधिकारी भी विशेष रूप से शामिल होंगे। आयोजन में बड़ी संख्या में विवाह योग्य जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे, जिन्हें शासन की ओर से आर्थिक सहायता एवं उपहार भी प्रदान किए जाएंगे। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह को सरल एवं सम्मानजनक बनाना है। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों ने जिले के सभी मीडियाबंधुओं एवं आमजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सड़क सुरक्षा को लेकर मंडला पुलिस सक्रियू

मंडला-पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक मंडला श्री रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से 26 अप्रैल से 10 मई तक विशेष हेलमेट अनिवार्यता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट उपयोग को बढ़ावा देना तथा सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम करना है। देखा गया है कि अधिकांश दुर्घटनाएं हेलमेट न पहनने एवं यातायात नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं। हेलमेट नहीं पहनने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त चालानी कार्रवाई की जा रही है तथा आवश्यकतानुसार ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन के लिए प्रकरण भेजे जा रहे हैं। स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को हेलमेट पहनने एवं यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आम नागरिकों में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाने के लिए समझाइश एवं जनसंवाद भी किया जा रहा है। मंडला पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा के लिए दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें तथा यातायात नियमों का पालन करें।

जिला पंचायत की योजनाओं की समीक्षा

मंडला- कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने जिला पंचायत सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं सीधे जनता से जुड़ी हुई है। अधिकांश कार्य हितग्राही मूलक हैं इसलिए इन योजनाओं की पहुंच ग्रामीण घरों तक है, इसलिए जिला पंचायत के अमले की जिम्मेदारी बहुत अधिक है। बैठक में मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, मध्याह्न भोजन कार्यक्रम, वाटरशेड, पंद्रहवें वित्त, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और एनआरएलएम के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। सभी योजनाओं के 2025-26 के लिए लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति और स्टेट रैंक की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि इस वित्त वर्ष में सभी योजनाओं में फर्स्ट रैंक पर आने का लक्ष्य लेकर कार्य करें।

राज्य लोक सेवा आयोग के निर्देशों के तहत जिले में सम्पन्न होंगी परीक्षाएं

परीक्षार्थियों को केन्द्रों में 90 मिनिट पूर्व उपस्थित होना अनिवार्य होगा

मंडला

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्त संभागीय प्रेक्षक डॉ. अशोक कुमार भार्गव (आईएएस) ने शनिवार को मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा का सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए जिले में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। जिले में राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा के लिए पाँच परीक्षा केन्द्र बनाये गए हैं। इसमें आरडी कॉलेज, रानी अवंती बाई हायरसेकेंडरी स्कूल मंडला, अमल ज्योति स्कूल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर एवं उत्कृष्ट विद्यालय मंडला में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। परीक्षार्थियों के लिए वाहन पार्किंग स्थल, बैरीकेट्स, सुरक्षा व्यवस्था, बायोमेट्रिक, साफ-सफाई, फ्रिसि्ंकग, बीओआईपी व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, विद्युत एवं जनरेटर की व्यवस्था, पंखे, टायलेट की व्यवस्था, पुलिस कंट्रोल रूम, चिकित्सा सुविधा इत्यादि व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली।

विदित है कि राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 तक और दोपहर 2:15 से सायं 4:15 तक दो सत्रों में आयोजित की जाएगी।

संभागीय प्रेक्षक डॉ. भार्गव ने राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए परीक्षा में नियुक्त अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री हुनेंद्र घोरमारे, डीपीसी श्री कुलदीप कठल सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सीसीटीवी कैमरों से परीक्षा केन्द्रों में रहेगी निगरानी

संभागीय पर्यवेक्षक डॉ. अशोक भार्गव ने राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा को सुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए आयोग द्वारा जारी नवीन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करने को कहा। जिसके तहत परीक्षा केन्द्रों में सीसीटीवी सर्विलांस, बायोमेट्रिक फ्रिकि्ंसग एवं बीओआईपी की व्यवस्था लागू की गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत समस्त परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी को परीक्षा के 90 मिनिट पूर्व अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाना है। परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की त्रि-स्तरीय जांच की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश द्वार पर अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी चस्पा करना अनिवार्य होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से कराना सुनिश्चित करें। परीक्षा केन्द्रों में आने वाले परीक्षार्थियों की तलाशी ली जाएगी, जिससे परीक्षार्थी वर्जित वस्तुएं लेकर प्रवेश न कर सकें। परीक्षार्थियों की जांच दोनों सत्रों में नियमित रूप से की जाएगी। पुरूष परीक्षार्थियों की जांच पुरूष वीक्षकों और महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला वीक्षक द्वारा केबीन में की जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर परीक्षार्थियों के लिए विकल्प होगा कि वह अपनी फ्रिसि्ंकग पुरूष अथवा महिला कर्मचारी से करवाना चाहते हैं।

परीक्षा कक्ष में वर्जित वस्तुएं

राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थी के लिए स्टेशनरी संबंधी सामग्री जैसे पेंसिल, रबर (इरेजर), व्हाइटनर, स्केल, बैग्स, पठन सामग्री, आई.टी. गैजेट्स व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, पेनड्राइव, कैल्कुलेटर, ब्लूटूथ, हैंडफ्री, डिजिटल घड़ी, स्मार्ट घड़ी, एनालॉग घड़ी, कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या कोई ऐसा उपकरण जो संचार उपकरण के रूप में उपयोग किए जाते हैं, वर्जित रहेंगे। इसी तरह एसेसरीज जैसे- बालों को बांधने वाला क्लचर, वक्कल, हाथ के बैंड/हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक बैंड/चमड़े के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बैल्ट, कफलींक, धूप के चश्मा, पर्स/वॉलेट, टोपी और अन्य वस्तुएं जैसे चाबी, लाइटर्स/माचिस बॉक्स, किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, शार्पनर, ब्लेड तथा अन्य कोई कीमती सामान साथ ही जूते-मोजे पहनकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित रहेगा।

परीक्षा के समय अनुमत वस्तुएं

राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षार्थी के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थी अपने साथ ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले बनाने के लिए निर्धारित स्याही का पेन, स्वयं का फोटो (यदि आवश्यक हो), पानी की पारदर्शी बॉटल, दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए 3 आवश्यक सामग्री और अन्य कोई सामग्री जो ई-प्रवेश पत्र में निर्दिष्ट हो, साथ में लेकर आ सकते हैं। किसी भी परिस्थिति में धार्मिक/सामाजिक प्रतीकों को काटने-फाड़ने या बलपूर्वक हटाने की अनुमति नहीं रहेगी।

कैबिनेट मंत्री श्रीमती उइके ने ज्ञानदीप स्कूल के साउथ ब्लॉक का किया भूमि पूजन

मंडला-

जिले की शैक्षणिक अधोसंरचना को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती संपतिया उइके द्वारा ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल के नवीन 'साउथ ब्लॉक' का विधि-विधान से भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाओं का होना क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अनिवार्य शर्त है। स्कूल में इस नए ब्लॉक के निर्माण से छात्रों को आधुनिक वातावरण और बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकेंगी, जिससे उनके भविष्य की नींव और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की इस नई पहल की सराहना करते हुए उज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे, श्री जयदत्त झा, श्री संजय तिवारी, श्री मनोज फगवानी, श्री रानू राजपूत, बीआरसी मण्डला श्री अनादि वर्मा, नायब तहसीलदार श्री राम सिंह उलाड़ी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं।

पंच करा रहा निर्माण कार्य भुगतान आ रहा पिता के खाते में

सरपंच सचिव बने मूक दर्शक

जनपद पंचायत मंडला की पंचायत का गजब ही है खेल

मंडला-जनपद पंचायत मंडला इन दिनों भ्रष्टाचार का पर्याय बनी हुई है एक और जहां जनपद उपाध्यक्ष जनपद के सीईओ एवं अन्य अधिकारियों पर सीधे-सीधे भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं और उसके तथ्य भी प्रस्तुत करते हैं तो दूसरी ओर जनपद के अधिकारी कर्मचारी उपाध्यक्ष की गुंडागर्दी के विरुद्ध प्रशासन को ज्ञापन सौंप रहे हैं और उपाध्यक्ष को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं और न हटाने पर जनपद में तालाबंदी की चुनौती भी पेश कर रहे हैं और इन्हीं दो साड़ों की लड़ाई का फायदा पंचायत के प्रतिनिधि उठा रहे हैं जिला मुख्यालय की समिति ग्राम पंचायत बड़ी ख़ैरी के एक दबंग पंचायत के निर्माण कार्यों को संपादित करा रहे हैं और भुगतान उनके पिता के खातों में हो रहा है ऐसा कैसे संभव होता रहा बिना सरपंच सचिव की सहमति से यह संभव ही नहीं तो क्या भ्रष्टाचार के इस खेल में सरपंच सचिव भी दोषी पंच के साथ भ्रष्टाचार का खेल खेल रहे थे नाली निर्माण हो या सड़क निर्माण या नाडेप निर्माण जिन्हें संपन्न कराने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की होती है उसी को निर्माण एजेंसी माना जाता है तो फिर कैसे कोई एक पंच इसे हथिया लेता है और अपनी मर्जी से काम कराता रहता है और भुगतान उसके पिता के खाते में हो पाता है शिकायत होने पर यह सफाई दी जाती है कि निर्माण सामग्री उनके पिता के द्वारा कर्ज पर दी गई थी और उसी का भुगतान किया गया है तो क्या पंचायत कर्ज पर निर्माण कार्य करती है और यदि यह नियम विरुद्ध था तो सरपंच सचिव द्वारा उक्त पंच की शिकायत पहले क्यों नहीं की गई यह सिलसिला कोई एक-दो दिन का नहीं बल्कि वर्षों से यह भ्रष्टाचार का खेल जारी था निर्माण कार्य एवं अतिक्रमण की आड़ में पंचायत प्रतिनिधि द्वारा लाखों रुपए अंदर किए गए ऐसा दूसरे पंच प्रतिनिधि बताते हैं अब जबकि ग्राम वासियों द्वारा इसकी शिकायत की गई तो प्रथम दृष्टिया पंच को दोषी मानते हुए उसे पद से पृथक करने की कार्रवाई की जा रही है अब देखना होगा कि सरपंच सचिव पर भी क्या कोई कार्रवाई होगी या फिर इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा यह स्थिति किसी एक पंचायत की नहीं जनपद पंचायत मंडला की लगभग 90 फ़ीसदी पंचायत में यही खेल चल रहा है यहां पर सिर्फ ठेकेदारी के माध्यम से ही कार्यों को संपन्न कराया जा रहा है और ठेकेदार कोई और नहीं बल्कि पंचायत के प्रतिनिधि जनपद के प्रतिनिधि जिला पंचायत के प्रतिनिधि और उनके रिश्तेदार ही होते हैं इनके द्वारा काम कर कर लाखों करोड़ों का भ्रष्टाचार किया जा रहा है लेकिन जांच के नाम पर जनपद के और जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारी ही इन्हें बचाते चले जा रहे हैं अब जबकि यह मामला सार्वजनिक हो गया है तो क्या अन्य निर्माण कार्यों या अन्य पंचायत के निर्माण कार्यों की भी कोई जांच होगी

शिक्षक अपना सर्वश्रेष्ठ दें और बच्चों का बढ़ाएं मोटिवेशन- कलेक्टर श्री धोटे

मंडला

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम स्कूल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और शिक्षकों के साथ परिचयात्मक बैठक कर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि समाज निर्माण में शिक्षक की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे शिक्षण कार्य में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षकों को न केवल पढ़ाना है, बल्कि निरंतर बच्चों का उत्साहवर्धन कर उनका मोटिवेशन भी बढ़ाना है।

कलेक्टर श्री धोटे ने नर्सरी, एलकेजी-1 एवं एलकेजी-2 की कक्षाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने प्रबंधन को निर्देशित किया कि बच्चों के सर्वांगीण बौद्धिक विकास के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जाएं। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए प्रतिदिन 15 से 20 मिनट की 'संस्कृति की कक्षा' संचालित की जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा ही बच्चों के भविष्य की आधारशिला है। यदि नींव मजबूत होगी, तभी बच्चे आगे चलकर बेहतर नागरिक बन सकेंगे। उन्होंने स्कूल परिसर की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर श्री संजय तिवारी, श्री मनोज फगवानी, प्राचार्य, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

लोगों के सुख-दुख में शामिल हुए सांसद बंटी विवेक साहू

छिंदवाड़ा। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ मित्रवत भाव रखने वाले सांसद बंटी विवेक साहू अपने व्यस्त कार्यक्रमों के बीच लोगों के सुख दुख में भी शामिल हुए। अति व्यस्त कार्यक्रमों के बीच समय निकालकर अपने कार्यकर्ताओं के साथ पारिवारिक माहौल में चर्चा करना सांसद श्री साहू के स्वभाव में शामिल हैं।

इसी के तहत सांसद बंटी विवेक साहू ने ग्राम पंचायत औरिया पहुंचकर सरपंच विवेक राऊत के दादाजी स्वर्गीय रामाराव राऊत के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। चौरई में अवनीत गंगवाल के निवास स्थान पहुंचकर उनके पिता सुरेश चंद्र गंगवार के निधन पर दुखः व्यक्त किया। वहीं ग्राम हरदुआ पहुंचकर फुलकुमार साहू के सुपुत्र सोनू साहू के विवाह के अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं दी।

चौरई के ग्राम पिपरिया पहुंचकर सुखलाल वर्मा की धर्मपत्नी स्वर्गीय रामशीला वर्मा के निधन पर दुख जताते हुए परिवारजनों को ढांढस बंधाया। ग्राम कोटलबर्री पहुंचकर युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र चौहान के विवाह समारोह में शामिल होकर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। सांसद बंटी विवेक साहू ने मुकेश सहारे के निवास स्थान पहुंचकर उनके पिताजी स्वर्गीय संतराम सहारे के निधन पर दुखः व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी।

कोतवाली पुलिस की सफलताः लालबाग चोरी कांड का खुलासा

सात लाख के जेवर बरामद, चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

कोतवाली पुलिस ने लालबाग क्षेत्र में हुई सनसनीखेज चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 7 लाख रुपये मूल्य के सोना-चांदी के जेवर बरामद किए हैं। मामले में एक आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 अप्रैल 2026 को प्रार्थिया विमला तंतुवाय (53), निवासी सनराइज स्कूल के पास लालबाग ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल की रात वह अपने लकवाग्रस्त पति को घर पर छोड़कर शादी समारोह में गई थीं। जब वह देर रात वापस लौटीं, तो घर की आलमारी खुली मिली और उसमें रखे करीब 5 लाख रुपये के जेवर गायब थे। उनके पति ने बताया कि दो अज्ञात युवक घर में घुसकर मारपीट करते हुए जेवर लेकर फरार हो गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय के निर्देश पर जिलेभर में आरोपियों की तलाश शुरू की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा एवं थाना प्रभारी आशीष कुमार धुर्वे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और प्रार्थिया से गहन पूछताछ की। इस दौरान एक अहम सुराग मिला—सलमान नामक युवक, जो घर में आता-जाता था और खुद को परिवार का परिचित बताता था। पुलिस ने संदेह के आधार पर सलमान (35) निवासी उंटखाना को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपने साथियों के साथ चोरी करना कबूल कर लिया।

सलमान ने बताया कि उसने अपने साथी आशिफ खान, आशिक धुर्वे, सुमित भलावी और राज यादव के साथ मिलकर वारदात की साजिश रची थी। उसे पता था कि घर में सोना-चांदी के जेवर रखे हैं और पीड़िता उस रात घर पर नहीं होगी। इसी जानकारी के आधार पर आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 4 तोला सोना और आधा किलो चांदी सहित कुल 7 लाख रुपये के जेवर बरामद किए हैं। साथ ही घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं। फरार आरोपी राज यादव की तलाश जारी है।इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक आशीष कुमार धुर्वे, उप निरीक्षक ब्रिजेश रघुवंशी, उप निरीक्षक प्रकाश सनोडिया, प्रधान आरक्षक नितिन सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

निर्माण कार्यों की वन अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन करें विभाग- कलेक्टर

वन विभाग लंबित प्रकरण समय-सीमा में निराकृत करे, टास्क फोर्स बैठक में दिए निर्देश

मंडला

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में वन विभाग की टास्क फोर्स कमेटी की बैठक ली। बैठक में जिले के सभी निर्माण विभागों के वन संबंधी लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री धोटे ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वन क्षेत्र से जुड़े सभी निर्माण कार्यों के लिए संबंधित विभाग निर्धारित पोर्टल पर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन आवेदन करें। उन्होंने कहा कि आवेदन करने के बाद उसका सतत फॉलोअप किया जाए और यदि वन विभाग से कोई क्वेरी आती है तो समय पर उसका निराकरण कर जवाब प्रस्तुत किया जाए, ताकि प्रकरण अनावश्यक लंबित न रहें। बैठक में लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, म.प्र. भवन विकास प्राधिकरण, सेतु निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, आईटीआई, महिला एवं बाल विकास तथा जनजातीय कार्य विभाग के ऐसे निर्माण कार्यों पर चर्चा हुई जिनमें वन विभाग की अनुमति या एनओसी अपेक्षित है। कलेक्टर श्री धोटे ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि सभी प्रकरणों को नियमानुसार समय-सीमा में निराकृत करने में सहयोग करें, जिससे विकास कार्यों में गति आ सके। बैठक में वन मंडलाधिकारी पश्चिम वनमंडल श्री एमएस मौर्य, वन मंडलाधिकारी पूर्व वनमंडल सुश्री प्रीता एसएम, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमती वंदना गुप्ता, ईई पीआईयू श्री पारस सिंह, ईई पीएचई श्री मनोज भास्कर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती शालिनी तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता को लेकर सख्तीः नदी-नालों में कचरा फेंकने पर जुर्माना तय

तामिया। ग्राम पंचायत तामिया में स्वच्छता और नल-जल व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी की उपस्थिति में व्यापारियों और ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए।बैठक में तय किया गया कि अब नदी-नालों या सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री आवास योजना से कई गांवों के वास्तविक पात्र हितग्राही हो रहे वंचित, मगर धनवानों की बन रही बिल्डिंग

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चला रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रधान मंत्री आवास योजना एवं पूर्व से संचालित होने वाले मुख्यमंत्री आवास व इंदिरा आवास योजना, इन अयोजना के चलते जनपद पंचायतों के द्वारा ग्राम पंचायतों के माध्यम से काफी समय से संचालित की जा रही है। परंतु इसके बाद भी आज इसके वास्तविक हकदार योजना का लाभ पाने से वंचित हैं? इसके बाद देश के प्रधान मंत्री द्वारा हर आवास हीन व्यक्ति को पक्के मकान बनाकर देने के लिए कही गई बात को पूर्ण करने के लिए प्रधान मंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी, जिसके चलते इन योजनाओं के चलते इनके पात्र हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी की लेहर दौड़ गई थी। यदि इन योजनाओं का सही रूप से क्रियान्वयन होता तो लगभग हर ग्राम पंचायत में गरीबों को आवास मिल चुका होता, परंतु आँकड़ों की जादूगरी में यह योजना ऐंसी गुम हुई कि इसके वास्तविक हकदार आज भी परेशान हैं और योजना के आँकड़े हजारों के लाभान्वित हो जाने की जानकारी दे रहे हैं? बताया जाता है कि ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सभाओं के माध्यम से यह तय किया जाता है कि प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ किसे दिया जाता है और पंचायतों में बैठे हुए सचिवों व ग्राम सहायकों के माध्यम से इन योजनाओं का लाभ देने के लिए फाइलों की शुरूआत की जाती है, जिसके चलते इस समय देखा जा रहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई यह प्रधानमंत्री आवास योजना पूर्णरूप से भाई भतीजा बाद की शिकायत होते हुए दिखाई दे रही है और इसके वास्तविक पात्र हितग्राही बंचित रहने के साथ साथ साधन संपन्न लोग इसका लाभ लेते हुए दिखाई दे रहे है? अक्सर देखा जाता है कि आमजन की अनुपस्थिति के चलते सरपंच, सचिव या फिर रोजगार सहयकों द्वारा अपनी मर्जी के अनुसार नाम तय कर लेते हैं और उसे इस योजना का लाभ मिल जाता है? इसमें वह गरीब जो इसका असली हकदार होता है वह पिछड़ जाता है शिकायते तो इस प्रकार से मिल रहे है कि इस योजना में मिलने वाली दर को यूँ ही गुम कर दिया जाता है। कई बार पूरी राशि और कई बार पहली किस्त के बाद मिलने वाली राशि को गुम कर दिया जाता है, नतीजतन यदि इस योजना से कोई आवास बनाना भी चाहता है तो वह पहली किस्त में मिली राशि के उपयोग के बाद दूसरी किस्त के लिये भटकता ही रह जाता है इसकी सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में आसानी से देखने मिल सकती है। इस प्रकार से प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में आ रही शिकायतों व सच्चाई से बड़े अधिकारी अपरिचित हो ऐसा संभव नही हो सकता है? यदि पंचायतों द्वारा इन योजनाओं का जिन लोगों को लाभ दिया जा रहा है जिनकी निष्ठा के साथ जांच की जावे तो निश्चित ही अनेक चौकाने वाली सच्चाई सामने आने से नही रूक पायेगी।

जनपद सांईखेड़ा में सरपंच सचिव की बैठक में दिये जरूरी दिशा निर्देश

कलेक्टर ने सांईखेड़ा क्षेत्र का भ्रमण करते हुये किया चिनकी-बोरास बहुउद्देशीय परियोजना सहित गरधा व निवारी गौशालाओं का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शुक्रवार का दिन क्षेत्र के शासकीय कार्यालयों के लिये विशेष रहा। क्योंकि इस दिवस जिला कलेक्टर जहां क्षेत्र में भ्रमण रही। इस दौरान उन्होंने अनेक जगहों पर पहुंचकर निरीक्षण किया। यह खबर फैलते ही सभी शासकीय कार्यालयों के प्रमुखों चौकस स्थिति में देखा गया। बताया जाता है कि बीते हुये शुक्रवार को जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सांईखेडा क्षेत्र के नर्मदा घाटी विकास विभाग की निर्माणाधीन चिनकी-बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना अंतर्गत बोरास-बराज के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बराज के तकनीकी पहलुओं जैसे शीट पाइल, डायफ्राम वॉल एवं राफ्ट फाउंडेशन पर विस्तृत चर्चा की गई, साथ ही निर्माण स्थल पर चल रहे पियर निर्माण, वर्टिकल गेट एवं डेक स्लैब कार्यों का निरीक्षण किया। श्रीमती सिंह ने परियोजनांतर्गत प्रस्तावित 5 मेगावाट पावर हाउस एवं रेस्ट हाउस के निर्माण स्थलों की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए देते हुये समस्त संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वही कलेक्टर को अवगत कराया गया कि इस परियोजना से लगभग 41 हजार 100 हेक्टर भूमि सिंचित होगी, जिससे क्षेत्र के कृषकों को महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होगा। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्रीमती कलावती ब्यारे, कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग व समस्त सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर मौजूद थे। वही बताया जाता है कि जिला कलेक्टर द्वारा विकासखंड सांईखेड़ा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गरधा एवं ग्राम पंचायत निवारी में संचालित गौशालाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान ग्राम गरधा में कलेक्टर ने गौशाला परिसर के आसपास उपलब्ध खाली भूमि का समुचित उपयोग करते हुए ग्रीन ग्रास (हरा चारा) विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे गौवंश को पर्याप्त एवं पौष्टिक आहार मिल सके। उन्होंने भूसा भंडारण की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर संतोष व्यक्त किया और इसे निरंतर बनाए रखने को कहा। वही ग्राम निवारी में कलेक्टर ने गौशाला के आसपास खाली पड़ी भूमि का उपयोग जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण करने पर जोर दिया। साथ ही यहां भी ग्रीन ग्रास विकसित कर चारे की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चारा उत्पादन एवं जल संरक्षण जैसे प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे गौवंश की बेहतर देखभाल सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर ने गौशालाओं के संचालन की सराहना की। यहां की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसी प्रकार नियमित निगरानी एवं समुचित प्रबंधन बनाए रखा जाए। वही क्षेत्र की ग्राम पंचायत बोदरी एवं निवारी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। बताया जाता है कि जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम बोदरी में निर्माणाधीन तालाब का निरीक्षण किया और तालाब की बांध को व्यवस्थित एवं मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्हें अवगत कराया कि यहां दो तालाबों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण तरीके से तालाबों का शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए। इसी क्रम में ग्राम निवारी स्थित पंचायत भवन में निर्मित वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बोदरी पंचायत में सचिव व जीआरएस के निहित कार्यों में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने पंचायत सचिव श्री बलराम कौरव एवं जीआरएस श्री रामपाल यादव को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गे। वही ग्राम पंचायत बोदरी में स्वसहायता समूह के द्वारा संचालित एक बगिया मां के नाम परियोजना के अंतर्गत लगाए गए पौधों का निरीक्षण करते हुये उन्होंने समूह की महिलाओं से पौधों की प्रजातियों एवं देखभाल की जानकारी ली तथा पौधों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग (घेराबंदी) करने के निर्देश दिये गये। क्षेत्र भ्रमण के दौरान कलेक्टर की मौजूदगी में साईंखेड़ा जनपद कार्यालय में सरपंच व पंचायत सचिव सहित जीआरएस की बैठक लेते हुये जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निर्देश दिये गये। बताया जाता है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में आयोजित बैठक में उन्होंने जलगंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुये कलेक्टर ने वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए सभी पंचायतों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि वर्षा जल का अधिकतम जल संरक्षण समय की आवश्यकता है और इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत को ठोस एवं परिणाममुखी कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि पंचायत स्तर पर सोख्ता गड्ढा, खेत-तालाब, ट्रेंच निर्माण तथा बोरी बंधान जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। साथ ही इन कार्यों में अधिक से अधिक जनसहयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया जा सके। कलेक्टर ने सभी ग्राम पंचायतों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी पंचायतें आज से ही 50- 50 जल संरक्षण संबंधी गतिविधियां करें और माह मई तक कार्य पूर्ण करें और उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत पलोहाबड़ा के सचिव मिथलेश खरे को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्र में अधूरे पड़े वॉटर हार्वेस्टिंग कार्यों को तीन दिवस के भीतर पूर्ण करें, अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक एवं रिकव्हरी की कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनपद साईंखेड़ा अंतर्गत 16 आंगनवाड़ी केंद्र भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्रामों में निजी एवं शासकीय भवनों में अधिक से अधिक वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं निर्मित की जाएं तथा वॉटर रिचार्जिंग के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि हैंडपंपों के पास सोख्ता गड्ढे का निर्माण किया जाए, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि हो सके। इसके अलावा अनुपयोगी पड़े पुराने बोरवेल एवं कुओं को पुनर्जीवित करने के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए, जिससे वर्षा जल इन स्त्रोतों तक पहुंचकर उनका रीचार्ज कर सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्पष्ट किया कि जल संरक्षण के इन प्रयासों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने भी बैठक में आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित समय-सीमा में कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित की जाए।

साईंखेड़ा में जनगणना प्रशिक्षण का तीसरा चरण जारी, कलेक्टर ने जनगणना के महत्व एवं प्रक्रिया से अवगत कराया

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। स्थानीय तहसील भवन साईंखेड़ा में जनगणना संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह शामिल होकर जनगणना के महत्व व प्रक्रिया से अवगत कराया गया। बताया जाता है कि यहां प्रशिक्षण तीसरे चरण के अंतर्गत प्रशिक्षण संचालित हो रहा है, जिसमें लगभग 100 कर्मचारी भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षण में कुल 4 मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा 178 प्रगणक एवं 32 सुपरवाइजर शामिल हैं। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली जनगणना की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जनगणना के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसे पूरी जिम्मेदारी एवं प्राथमिकता के साथ संपन्न किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी गणनाकर्ताओं एवं सुपरवाइजर्स को निर्देशित किया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग करते हुए जनगणना कार्य को त्रुटिरहित एवं समय-सीमा में पूर्ण करें। प्रशिक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, जनगणना चार्ज ऑफिसर अतुल श्रीवास्तव, फील्ड ट्रेनर्स श्री पवन राजोरिया, मनीष शंकर तिवारी, प्रशांत राय, संतोष श्रीवास, भागीरथ प्रसाद मौजूद थे।

जनगणना के लिए मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रशिक्षण का तृतीय चरण संपन्न, मास्टर ट्रेनर ने दिए सटीक कार्य निष्पादन के निर्देश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय जनगणना की तैयारियों को लेकर संपूर्ण प्रशासन तंत्र उसमें रात दिन लगा हुआ नजर आ रहा है। वही लगातार प्रशिक्षणों के माध्यम से गणना के लिये कर्मचारियों को दक्ष करने में किसी तरह की कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इसी के चलते जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण एवं मकानो की गणना संबंधित तृतीय बैच का नगर के आईटीआई तथा बीटीआई स्कूल में आयोजित विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में तहसील गाडरवारा नगर एवं ग्रामीण स्तर के समस्त प्रगणक, पर्यवेक्षक एवं संबंधित अधिकारियों ने सहभागिता की गई। बताया जाता है कि यह प्रशिक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती कलावती ब्यारे तथा चार्ज अधिकारी के निर्देशन में संपादित हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर में जनगणना कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान फील्ड ट्रेनर, विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा जनगणना की पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। इस दौरान मास्टर ट्रेनर सत्यम ताम्रकार, नरेश मेहरा, सतीश नाईक, विनीत नामदेव, योगेंद्र झारिया, पवन सोनी, कपिल मालवीय, सोमनाथ मेहरा, उत्तम वर्मा, चंद्रकांत साहू द्वारा जनगणना के प्रथम चरण संबंधित विस्तृत प्रश्नोत्तरी यथा- घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने की विधि, परिवार विवरण दर्ज करने के मानक, सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों के संकलन, स्वगणना तथा नवीन डिजिटल एप एवं टैब आधारित प्रणाली के उपयोग का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार प्रत्येक जानकारी को सावधानीपूर्वक एवं सत्यापित रूप में निर्धारित एप में दर्ज करना अनिवार्य है। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं बल्कि देश की विकास योजनाओं का आधार है। इसलिए प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी है कि वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता एवं समर्पण के साथ करें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न संभावित परिस्थितियों से अवगत कराया गया तथा उनके समाधान के उपाय भी बताए गए। इसके अलावा फील्ड में आने वाली चुनौतियों जैसे जानकारी देने में हिच किचाहट, डेटा त्रुटियां एवं तकनीकी समस्याओ से निपटने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए गए। इस दौरान अंतिम दिवस के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया जिसमें प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की शंकाओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद अब जनगणना 2027 के कार्य को निर्धारित समयसीमा में प्रारंभ करने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

नांदनेर में यात्री प्रतीक्षालय न होने से यात्रियों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव अपनी जनराशि करते हुए विकास कार्य कराये जा रहे है, मगर कहा जाता है कि वह विकाय का कार्य सही कहलाता है जिसकी लोगों को उपयोगता होती है और यदि वही विकास कार्य नही होता है तो संपूर्ण विकास कार्यो पर प्रश्न चिन्हें लग जाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्राम पंचायत नांदनेर में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि हायर सेकेण्डरी स्कूल होने के साथ साथ सेवा सहकारी समिति सहित अन्य सुविधाएं तो गांव में उपलब्ध है, मगर यहां पर यात्री प्रतिक्षालय नही होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्योंकि ग्राम नांदनेर गाडरवारा पिपरिया मुख्य मार्ग पर स्थिति होने के कारण यहां से सभी प्रकार के वाहनों का निकलना होता है, वही यहां पर अपनी यात्रा करने के लिए इस मार्ग से चलने वाली बसों को पकड़ने के लिए प्रतिदिन आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम झांझनखेड़ा, मिढ़वानी, देवरी, दहलवाड़ा, छोटी बनखेड़ी सहित अन्य गांवों के लोगों का आना जाना भी रहता है, मगर यात्री प्रतीक्षालय न होने से उन्हे जहां बारिश के दिनों में गिरते हुये पानी तो गर्मी के दिनों में तेज तपती हुई धूप में खड़े होकर बसो का इंतजार करने मजबूर होना पड़ता है वही चाय पान दुकानों का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सबसे अधिक परेशानी का सामना तो महिला यात्रियों के साथ मरीजों को करना पड़ती है, क्योंकि बैठने की व्यवस्था नही होने से जहां बसों के इंतजार में मरीजों को काफी समय तक खडे रहना पड़ता है, वही सड़क किनारे खड़े होने से महिलायात्रियों को असामाजिक तत्वों के छीटाकशी का शिकार होकर अपमानित होना पड़ता है? इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए ग्रामवासियों के साथ साथ आसपास के ग्रामवासियों द्वारा बस यात्रियों की परेशानी के मद्देनजर नांदनेर में यात्री प्रतीक्षालय के निर्माण की दिशा में पहल करने के क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से गुहार लगायी है।

हाई टेंशन लाईन के झूलते हुये तारों से टकराया डंपर आग लगने से एक व्यक्ति की मौत होने की खबर

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। क्षेत्र में विद्युत लाईनों का उचित रख रखाब नही किये जाने का परिणाम है कि झूलते हुये तार जहां आये दिन किसानों की फसलों को जलाकर खाक करने से नही चूकते है तो दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने में पीछे नही है। हाल यह बना हुआ है कि जहां तहां हाई टेशन लाईन के झूलते हुये तारों से वाहन टकराते हुये देखे जाने लगे है। कुछ वर्ष पहले इसी प्रकार की सच्चाई सालीचौका क्षेत्र में देखने मिली थी जहां पर एक ट्रेक्टर ट्राली इस तरह झूलते हुये तारों के चपेट में आने से कुछ मजदूरों की मौत हुई थी। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस सांईखेड़ा क्षेत्र में देखने मिली है। बताया जाता है कि समीपस्थ ग्राम संसारखेड़ा गांव के पास हाई टेंशन लाईन के खम्बों पर बिजली के झूलते हुये तारों से जब एक डम्फर टकरा जाने के चलते डम्फर में आग लग गई। वही घटना में एक व्यक्ति के खत्म होने की खबर है..? इस तरह बिजली विभाग की लापरवाही का परिणाम आम लोगों को अपनी जिन्दगी कुर्बान करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है।

सीतारेवा नदी पुल के गड्ढों से निकल रही लोहे की राड दे रही बड़ी दुर्घटना का आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज/चीचली। अक्सर देखा जाता है कि प्रशासन में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा जिस तरह सच्चाई को नजर अंदाज किया जाता है वह निश्चित तौर से एक बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूक पता है? वही जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है तो बाद में जिम्मेदार नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा उस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुये अपनी कुंभकर्णीर् निंद्रा को भंग करते हुये उसके सुधार को लेकर प्रयास करना शुरू करते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के समीप सीतारेवा नदी पर बना हुआ पुल जो क्षेत्र के एनटीपीसी पावर प्लांट से लेकर अन्य गांवों को चीचली से जोड़ता है और इस पुल के ऊपर से प्रतिदिन दर्जनों गांवों के हजारों लोगों का चीचली आना जाना होता है। बताया जाता है कि इस पुल के ऊपर निकले हुये गड्डो से इस समय लोहे की राडे निकलते हुये एक बड़ी घटना की ओर संकेत देते हुये देखे जाने के बाद भी उनके सुधार को लेकर न तो प्रशासन द्वारा कोई कदम उठाना उचित समझा जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा इस ओर ध्यान दिया जा रहा है इस तरह इस पुल की अनदेखी किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने से चूकने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। जबकि देखा जावे तो इस पुल से जहां प्रतिदिन अधिकारियों से लेकर जिम्मेदारों को निकलते हुये देखा जाता है जो अपने वाहनों से इन गड्डो के बीच से सावधानी पूर्वक निकलकर चले जाते है।

निजी फाइनेंस कंपनियों ने गांव गांव फैलाया अपना गोरखधंधा, मोबाईल फाईनेंस के नाम पर ग्रामीणों को गुमराह करते हुये किया जा रहा आर्थिक शोषण

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

कुछ दिनों तक रोक लगने के बाद अब फिर क्षेत्र के गॉवों मे ऐसी निजी फाइनेंस कम्पनियों से जुड़े हाईटेक युवकों की रेडी उतर आयी है जो छोटे धंधों की शुरूआत के लिए ग्रामीण युवाओं सहित महिलाओं को ऋण देने का आश्वासन देकर अपने प्रलोभन के जाल मे गॉवों की भोली भाली अशिक्षित महिलाओं को फॅसाकर बड़े मीठे अंदाज मे उनका आर्थिक शोषण करने में पीछे दिखाई नही दे रहे है। हासिल जानकारी के अनुसार क्षेत्र के आसपास अनेक गांवों मे लम्बे समय से एक तथा कथित फाइनेंस कम्पनियों से सम्बंधित कुछ युवक गॉव गांव भ्रमण करते हुये जहां युवाओं को मोबाईल फाईनेंस करने की बात को लेकर तो दूसरी ओर महिलाओं को आत्मनिर्भरता का पाठ सिखाते हुए उन्हे ठगने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? इस तरह फाईनेंस कंपनियों के नाम से गांव गांव घूम रहे तथा कथित लोगों द्वारा ग्रामीण युवाओं को महंगे कीमतों के मोबाईल किस्तों पर उपलब्ध कराने के नाम पर जरूरी दस्तावेज लेते हुये फाईनेंस कराने के नाम पर पैसा बसूलते हुये देखे जा रहे है। इतना ही नही शुरूआत तौर में कम पैसा लगने के नाम पर ग्रामीण युवा इनकी बातों में आकर घर बैठे कर्जदार बनते चले जा रहे है। क्योंकि जरूरत न होने के बाद भी किस्तों पर महंगी सामग्री खरीद देने के बाद जब फाईनेंस हुआ कर्ज नही चुक पाता है तो युवाओं की सिबिल खराब होने की स्थिति में आने वाले भविष्य के लिये आर्थिक सहयोग के द्वार बंद होने से नही बच पा रहे है..? क्योंकि गांव गांव घूम रहे फाईनेस करने वाले लोगों की लच्छेदार बातों में आते हुये घुमराह होकर खुद का कैरियर बर्बाद करते हुये जरूरत न होने के बाद भी घर बैठे कर्जदार बनते हुये देखे जा रहे है..? वही दूसरी ओर महिलाओं को भी फाईनेंस कंपनियों द्वारा आत्मनिर्भर बनाने की बात कहते हुये कंपनियों उन्हें फाईनेंस के नाम पर जिस तरह गांव गांव गोरखधंध चलाया जा रहा है उसके चलते ग्रामीण महिलाओं गुमराह होते हुये जरूरी दस्तावेज देते हुये कर्जदार बनने से नही चूक रहे है..? इस गांव गांव घूम रहे फाईनेंस के नाम पर ग्रामीणों को आर्थिक शोषण करने वालों पर लोगों द्वारा शासन प्रशासन से सख्त कार्यवाही की मांग की जा रही है। सूत्रों से मिल रही जानकारियों के अनुसार इन फाइनेंस कम्पनी से जुड़े लगभग 18-20 वर्ष के युवक हर सप्ताह ग्रामीण महिलाओं की बैठक भी करते है, जिसमें वे महिलाओं को लच्छेदार भाषा मे समझाते है कि छोटा व्यापार कर ग्रामीण महिलाएँ काफी धन कमा सकती है। इस तरह युवाओं की बातों में महिलाये गुमराह होकर जरूरत न होने के बाद भी पैसा लेते हुये कर्जदार बनते हुये देखी जा रही है..? इस तरह ग्रामीण महिलाएँ इन युवकों की बाते सुनकर विभोर होकर अपने लड़कों की उम्र के फायनेंस कम्पनी के इन युवकों को सर कहने लगती है और उनसे ऋण लेने तैयार हो जाती है। उल्लेखनीय है कि पूर्व मे भी क्षेत्र मे निजी फायनेंस कम्पनियों के गोरखधंधें की बहुत सी शिकायते सामने आयी थी जिसके चलते क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की पहरेदारी के चलते इस पर काफी हद तक अंकुश लग गया था। मगर कुछ दिनों की रूकावट के बाद फिर यह कंपनियों द्वारा ग्रामीणों को गुमराह करते हुये कर्जदार बनाने की शुरूआत कर दी गई है।

आम सूचना

नारायण प्रसाद तिवारी आत्मज श्री काशीराम तिवारी, निवासी इन्द्रा वार्ड त्रिवेदी कालोनी गाडरवारा, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) द्वारा जिला परिवहन अधिकारी नरसिंहपुर के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत करते हुये बताया है कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूँ। यह है कि मुझ शपथकर्ता की पत्नी स्व. श्रीमती संध्या तिवारी पति नारायण प्रसाद तिवारी के नाम से एक वाहन क्रमांक MP09-CS-4922 पंजीकृत है ।आई 20 है। यह है कि मै स्व. श्रीमती संध्या तिवारी का पति हूँ व वैधानिक उत्तराधिकारी हूँ, इस कारण उक्त वाहन को अपने नाम पर नामांतरण कराना चाहता हूँ। जिस हेतु यह शपथ पत्र व आम सूचना प्रकाशित की गई है। यह कि मेरी पत्नी का स्वर्गवास दिनांक 05/05/2025 को हो गया है जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र आवेदन के साथ संलग्न किया गया है। मै श्रीमती संध्या तिवारी का पति हूँ और मेरे परिवारजन की उक्त वाहन नामांतरण कराने में सहमत है। यह कि उक्त वाहन पर किसी भी प्रकार का न्यायालीन प्रकरण दर्ज नही है। वाहन पर आज दिनांक तक किसी भी बैंक वित्तीय संस्था की कोई फायनेन्स राशि बाकी नही है। उक्त वाहन मेरे नाम से नामांतरित किये जाने में किसी को कोई आपत्ति नही है और न ही भविष्य में होगी किसी के द्वारा कोई दावा आपत्ति की जाती है तो उसकी सम्पूर्ण जबाबदारी मेरी रहेगी।

शपथकर्ता
नारायण प्रसाद तिवारी
आत्मज श्री काशीराम तिवारी
निवासी- इन्द्रा वार्ड त्रिवेदी कालोनी, गाडरवारा
तहसील गाडरवारा, जिला-नरसिंहपुर (म. प्र.)

लोक सेवा आयोग परीक्षा की तैयारियों का निरीक्षण 1033 अभ्यर्थी होंगे शामिल

डिंडौरी ।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा को देखते हुए संभागीय नोडल अधिकारी डॉ अशोक कुमार भार्गव ने जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए उन्होंने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय और शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डिंडौरी का भ्रमण कर तैयारियों की समीक्षा की।जिला परीक्षा प्रभारी और डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक ने बताया कि 26 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली परीक्षा में जिले के तीन केंद्रों पर कुल 1033 अभ्यर्थी शामिल होंगे उत्कृष्ट विद्यालय में 382 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में 350 और शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में 300 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी पहला सत्र प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2 बजकर 15 मिनट से 4 बजकर 15 मिनट तक रहेगा आयोग के निर्देशानुसार अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से 90 मिनट पहले पहुंचना अनिवार्य होगा।

इस बार परीक्षा में त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू की गई है जिसमें बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और एचएचएमडी के माध्यम से तलाशी शामिल है सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थी

केवल ई प्रवेश पत्र वैध फोटो पहचान पत्र निर्धारित स्याही का पेन स्वयं का फोटोग्राफ पारदर्शी पानी की बोतल और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक सामग्री ही ला सकेंगे इसके अलावा केवल वही सामग्री मान्य होगी जो ई प्रवेश पत्र में उल्लेखित है।परीक्षा केंद्र में पेंसिल रबर व्हाइटनर स्केल बैग और पठन सामग्री लाना प्रतिबंधित रहेगा मोबाइल फोन पेनड्राइव कैलकुलेटर ब्लूटूथ हैंडफ्री डिजिटल या एनालॉग घड़ी सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह निषिद्ध रहेंगे।इसके अलावा क्लचर बक्कल बेल्ट कफलिंक चश्मा पर्स टोपी चाबी माचिस लाइटर और धारदार वस्तुएं लाना भी वर्जित रहेगा जूते मोजे पहनकर या चेहरा ढंककर परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।धार्मिक प्रतीकों जैसे हिजाब पगड़ी पल्ला कलावा और ताबीज का सूक्ष्म परीक्षण किया जाएगा लेकिन इन्हें हटाने या काटने की अनुमति नहीं होगी।दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए केंद्रों पर रैम्प व्हील चेयर भू तल पर बैठने की व्यवस्था और पेयजल की सुविधा सुनिश्चित की गई है।सहलेखक की सुविधा प्राप्त अभ्यर्थियों को ही प्रतिपूरक समय मिलेगा तीन घंटे के प्रश्नपत्र के लिए 60 मिनट और दो घंटे के प्रश्नपत्र के लिए 40 मिनट अतिरिक्त समय दिया जाएगा जिन अभ्यर्थियों ने सहलेखक का उपयोग नहीं किया है उन्हें अतिरिक्त समय नहीं मिलेगा।निरीक्षण के दौरान लाइजिंग अधिकारी और एसडीओ आरईएस ए के असाटी जिला परीक्षा प्रभारी वैधनाथ वासनिक जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार तथा संबंधित केंद्रों के प्राचार्य और प्रभारी उपस्थित रहे अधिकारियों ने सभी केंद्रों पर बिजली पेयजल बैठने की व्यवस्था और सीसीटीवी सहित आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

खेर माई धाम में मां संतोषी की प्राण प्रतिष्ठा आज, भक्ति से आलोकित होगा अनूपपुर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर की पावन धरती पर आज खेर माई धाम मंदिर में माँ संतोषी की नवीन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का दिव्य आयोजन संपन्न होगा। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनुपम वातावरण व्याप्त है। धर्मनगरी अनूपपुर में स्थित खेर माई धाम पटौरा टोला बिजली ऑफिस के पास में माँ संतोषी की नवीन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इन दिनों आध्यात्मिक उल्लास अपने चरम पर है। नगर के समाजसेवी रवि अग्रवाल (जैतहरी वाले) के द्वारा निर्मित नवीन मंदिर में यह भव्य धार्मिक अनुष्ठान पूर्वजों के आशीर्वाद एवं माँ भगवती की कृपा से विधिवत संपन्न किया जा रहा है। आयोजन में नगर सहित ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। इस पावन अनुष्ठान का शुभारंभ 23 अप्रैल, गुरुवार को भव्य कलश यात्रा एवं पंचांग पूजन के साथ हुआ, जिसमें मातृशक्ति की विशेष सहभागिता देखने को मिली। इसके उपरांत 24 अप्रैल, शुक्रवार को पीठ पूजन, अन्नाधिवास एवं जलाधिवास जैसे वैदिक कर्मकांड विद्वान आचार्यों के निर्देशन में संपन्न हुए। 25 अप्रैल, शनिवार को शैय्याधिवास, द्रव्याधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास एवं पाठ पूजन के कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य संपन्न हुए, जिससे सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। मुख्य अनुष्ठान 26 अप्रैल, रविवार को देवी पूजन, प्राण प्रतिष्ठा, हवन एवं पूर्णाहुति के साथ संपन्न होगा, जिसका श्रद्धालुओं को विशेष प्रतीक्षा है। इस दिव्य आयोजन का समापन 27 अप्रैल, सोमवार को विशाल भंडारे एवं प्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा, जिसमें समस्त श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है। यह समस्त धार्मिक अनुष्ठान श्री श्री 1008 मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास जी महाराज (श्रीधाम वृन्दावन) एवं विद्वान आचार्य पं. हरिभजन अवस्थी के सानिध्य में संपन्न हो रहा है। आयोजनकर्ता रवि अग्रवाल एवं प्रभा अग्रवाल ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार उपस्थित होकर माँ संतोषी का आशीर्वाद प्राप्त करने एवं इस पुण्य अवसर के सहभागी बनने की अपील की है।

गुरु नानक गुरुद्वारा में श्रद्धा, सेवा और उत्साह के साथ मन रहा दो दिवसीय बैसाखी महापर्व

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश की प्रमुख धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक स्थित गुरु नानक गुरुद्वारा इन दिनों बैसाखी महापर्व की पावन आभा से आलोकित है। श्रद्धा, सेवा, समर्पण और भाईचारे के प्रतीक इस दो दिवसीय बैसाखी पर्व उत्सव का आयोजन अत्यंत धार्मिक विधि-विधान, पारंपरिक मर्यादा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रहा है। गुरुद्वारा परिसर में 19 अप्रैल से अखंड श्रद्धा के साथ लगातार तीन पाठ का आयोजन प्रारंभ हुआ, जिससे सम्पूर्ण वातावरण गुरुबाणी और भक्ति रस से सराबोर रहा। बैसाखी पर्व के शुभ अवसर पर 25 अप्रैल, शनिवार की प्रातः बेला में सुबह 5 बजे प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें पुरुषों, महिलाओं एवं युवाओं ने भजन-कीर्तन करते हुए पूरे नगर में श्रद्धा और भक्ति का संदेश प्रसारित किया। प्रभात फेरी के दौरान संगत "वाहे गुरु" के जयघोष के साथ भक्ति भाव में लीन दिखाई दी। इसी दिन गुरु नानक गुरुद्वारा प्रांगण से बैसाखी पर्व के पावन अवसर पर पंज प्यारों की रहनुमाई एवं सरपरस्ती में विशाल नगर संकीर्तन यात्रा निकाली गई। यह नगर कीर्तन नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा, जहां श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा, पुष्प छिड़काव एवं आतिशबाजी कर स्वागत किया। संकीर्तन यात्रा के दौरान सिख समाज के पुरुष एवं महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए धर्ममय वातावरण का निर्माण करते रहे। विशेष आकर्षण के रूप में उत्साही एवं जांबाज युवकों द्वारा मनोहारी एवं आकर्षक गतका (धार्मिक युद्धकला) का प्रदर्शन किया गया, जिसने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा का प्रेरक समापन शिक्षा और संस्कार का संदेश

शाहपुर ।

शाहपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा का भव्य और प्रेरणादायक समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि शिक्षक शिक्षिकाएं विद्यार्थी और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन और सरस्वती वंदना के साथ हुई इसके बाद नारी सशक्तिकरण विषय पर वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका और उनके सम्मान पर जोर दिया।

जिला जेल में विशेष टीबी स्क्रीनिंग शिविर से अभियान को मिली गति

डिंडौरी ।

जिला जेल में विशेष टीबी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया जिससे 100 डेज़ टीबी मुक्त भारत अभियान को नई गति मिली।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज पांडेय तथा जिला क्षय अधिकारी डॉ मनोज उरैती के मार्गदर्शन में यह शिविर आयोजित किया गया।शिविर का उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों के बीच टीबी रोग की शीघ्र पहचान रोकथाम और समय पर उपचार सुनिश्चित करना रहा इस दौरान बंदियों की जांच डिजिटल और हैंडहेल्ड एक्सरे मशीन से की गई जिनमें टीबी के संभावित लक्षण मिले उनकी मौके पर ही खखार जांच कराई गई ताकि पुष्टि होने पर तुरंत उपचार शुरू किया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उच्च जोखिम समूहों की पहचान कर उनकी गहन जांच और लगातार निगरानी की साथ ही बंदियों को टीबी के लक्षण बचाव के उपाय संतुलित पोषण की आवश्यकता और पूरी अवधि तक दवा लेने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।जेल जैसे बंद और संवेदनशील वातावरण में इस प्रकार के शिविर बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं क्योंकि यहां संक्रमण फैलने की संभावना अधिक रहती है ऐसे प्रयास बंदियों के साथ साथ जेल स्टाफ के स्वास्थ्य की सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाते हैं।स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिन बंदियों में टीबी की पुष्टि होगी उन्हें शासन की ओर से निःशुल्क उपचार सुविधा दी जाएगी साथ ही निक्षय पोषण योजना के तहत पोषण सहायता और नियमित फॉलोअप भी सुनिश्चित किया जाएगा।इस अवसर परजनजागरूकता के संदेश दिए गए टीबी हारेगा देश जीतेगा।जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि टीबी के लक्षण दिखने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच अवश्य कराएं और टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें।

संस्थागत प्रसव बढ़ाने बजाग में नई पहल विभागीय समन्वय से थमेगी होम डिलीवरी

डिंडौरी ।

आकांक्षी विकासखंड बजाग में बढ़ते घरेलू प्रसव की प्रवृत्ति को रोकने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए केयर कैंपेनिंग प्रोग्राम के तहत एक सघन जमीनी अध्ययन किया गया विशेषज्ञों और अधिकारियों की टीम ने ग्राम पंचायत पिपरिया के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों जलदा खरारीटोला और सिंदूरखार के टोलों का दौरा कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया।अध्ययन में सामने आए तथ्यों ने पारंपरिक धारणाओं को चुनौती दी आमतौर पर दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच न होने के लिए सड़क और नेटवर्क को जिम्मेदार माना जाता है लेकिन यहां स्थिति अलग मिली गांवों में मोबाइल नेटवर्क पर्याप्त है और आवागमन के लिए रास्ते भी उपलब्ध हैं। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि समस्या का मूल कारण जागरूकता और शिक्षा की कमी है बैगा आदिवासी महिलाओं से चर्चा में सामने आया कि उन्हें शासकीय योजनाओं की सीमित जानकारी है और आंशिक लाभ भी मिल रहा है लेकिन संस्थागत प्रसव के महत्व को लेकर पर्याप्त समझ विकसित नहीं हो पाई है।टीम ने कम उम्र में विवाह और गर्भधारण की समस्या को भी गंभीरता से चिन्हित किया इसके समाधान के लिए किशोरी चौपाल निरंतर बालिका शिक्षा और समाज के प्रमुख लोगों की काउंसलिंग जैसे उपाय सुझाए गए हैं।मैदानी संवाद के दौरान आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं ग्राम पंचायत सचिव गर्भवती महिलाओं और परिवार के पुरुष सदस्यों से विस्तार से चर्चा की गई इस प्रक्रिया से यह महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आया कि मातृ स्वास्थ्य केवल महिलाओं तक सीमित विषय नहीं है बल्कि इसमें पुरुषों की भागीदारी भी आवश्यक है।विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि यदि विभिन्न विभागों के समन्वय से ग्राम स्तर पर एक साझा मंच तैयार किया जाए और उसमें महिला तथा पुरुष दोनों को साथ बैठाकर योजनाओं और सुरक्षित प्रसव की जानकारी दी जाए तो घरेलू प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।इस पहल में योसेड हेल्थ फाउंडेशन के राज्य समन्वयक अनंत राव पवार नीति आयोग से डॉ विकास जैन बीपीएम लल्ला यादव क्षेत्रीय सीएचओ आशा कार्यकर्ता और पंचायत सचिव सक्रिय रूप से शामिल रहे प्रशासन अब इस समन्वित जनजागरूकता मॉडल को जल्द लागू करने की दिशा में काम कर रहा है।

विद्यार्थियों और ग्रामीणों में जागरूकता फैलाई गई

डिंडौरी ।

10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक चले इस पखवाड़े के दौरान रैली निबंध पोस्टर मेकिंग भाषण और रंगोली जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों और ग्रामीणों में जागरूकता फैलाई गई इन गतिविधियों के जरिए नारी सम्मान और सामाजिक सहभागिता का संदेश प्रभावी रूप से दिया गया।समारोह में कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुष्पमाला और कलम भेंट कर सम्मानित किया गया विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए नियमित अध्ययन अनुशासन और गुरुजनों के मार्गदर्शन को सफलता का मूल मंत्र बताया।विद्यालय परिसर में ड्रॉप सिंचाई पद्धति के माध्यम से पौधों के संरक्षण की व्यवस्था की गई और प्रेरक स्लोगन लिखकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई कक्षा 10 के छात्र दीपक परस्ते को उत्कृष्ट चित्रकारी और स्लोगन लेखन के लिए 1100 रुपए नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को समय पर विद्यालय आने स्वच्छता बनाए रखने गुरुजनों और माता पिता का सम्मान करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सीख दी।अंत में संस्था प्रमुख प्रभारी प्राचार्य मोहम्मद शहीद खान ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया यह आयोजन नारी सशक्तिकरण का संदेश देने के साथ विद्यार्थियों में शिक्षा अनुशासन और सामाजिक मूल्यों के प्रति नई ऊर्जा भरने में सफल रहा।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा का आयोजन

अमरपुर।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं रासेयो प्रभारी डॉण् सीमा डावर के मार्गदर्शन में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉण् सीमा डावर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा राष्ट्रीय स्तर से लाइव प्रसारण के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के तहत विशेष व्याख्यानए पोस्टरए स्लोगनए आत्मरक्षा एवं नारी सशक्तिकरण आदि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉण् निगहत खान ने कहा कि आज देश की विकास में नारी एक समानता के साथ गृहस्थ जीवन से लेकर राजनैतिकए विज्ञानए रक्षा आदि प्रत्येक क्षेत्र में बराबर की भागीदारी निभा रही हैं। डॉण् सुनील काकोड़िया एवं डॉण् स्वर्णिम पटेल ने भी कहा कि आज की नारी आधुनिकता के साथ सामाजिक जीवन में समाज की विकास में नारी की स्थान सर्वोपरि एक देवी की रूप हैं। क्योंकि भारतीय परंपरा में कहा गया हैं कि नारी के बिना कोई भी शुभ कार्य संपन्न होना सम्भव नहीं हैं। इसलिए नारी शक्ति वंदनीय एवं पूजनीय दोनों ही हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ आशीष कुमार मरावीए डॉण् निगहत खानए डॉण् निधि सिंहए समीर धुर्वेए ओमकार वाटियाए सहज सिंह मरावीए कमलेश वास्पे सहित छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने उपार्जन व्यवस्था की समीक्षा कर बढ़ाई गेहूं खरीदी की अवधि

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गेहूं चना और मसूर उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने किसानों को राहत देते हुए गेहूं उपार्जन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई 2026 करने की घोषणा की उन्होंने कहा कि इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा और उपार्जन प्रक्रिया अधिक सुगम होगी।बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत देश स्तर पर डिंडौरी जिले को प्रथम स्थान मिलने पर मुख्यमंत्री ने बधाई दी उन्होंने शिक्षा वन खाद्य नागरिक आपूर्ति और कृषि विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जिला पंचायत सीईओ श्री दिव्यांशु चौधरी अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव डिप्टी कलेक्टर श्री बैजनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायक धुर्वे ने विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

डिंडौरी।

शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन और लोकार्पण संपन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत गरिमामय वातावरण में कन्या पूजन और मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई।कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम खजरी स्थित ठाकुर देवनाला में 10 लाख रुपए की लागत से बनने वाले स्नान घाट निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया वहीं ग्राम सिधौली में 11ण्22 लाख रुपए की लागत से बनने वाले नवीन आंगनवाड़ी भवन का भी भूमिपूजन किया गया।इस अवसर पर ग्राम देवरी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब गहरीकरण कार्य का भूमिपूजन भी संपन्न हुआ।अमरपुर में आयोजित बैठक में क्षेत्रीय विकास गतिविधियों पर चर्चा की गई कार्यक्रम के दौरान विधायक ने शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए।कार्यक्रम में बद्री प्रसाद साहू और आकाश नामदेव सहित पदाधिकारी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे उपस्थित जनसमूह ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन के प्रति आभार जताया।

जिले में चार भागों में बट कर विचरण कर रहे पांच हाथी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले में विचरण कर रहे पांच हाथी चार अलग-अलग भागों में बट कर विचरण करने से हाथी प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों का जीना मुश्किल हो गया है वही खाने के तलाश में हाथियों द्वारा ग्रामीणों के घरों में अचानक पहुंचकर तोड़फोड़ कर संपत्ति का नुकसान पहुंचाते हुए खेत एवं बांडियो में लगे तथा रखें विभिन्न तरह के फसलों को खा कर हंगामा मचा रहे हैं ग्रामीणों द्वारा अपने इलाके से हाथियों को भगाए जाने की कोशिश में हाथी भी ग्रामीणो पर आक्रमण करने की कोशिश करते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से तीन, एक एवं एक की संख्या में पांच हाथियों का दल अनूपपुर जिले के अनूपपुर एवं जैतहरी इलाके में निरंतर विचरण कर रहे हैं जो दिन के समय जंगल में बिताने बाद शाम एवं रात होते ही खाने की तलाश में जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर नुकसान पहुंचा रहे हैं एक दांत वाला नर हाथी जिला मुख्यालय अनूपपुर से 7 किलोमीटर दूरी स्थित ग्राम पंचायत खांड़ा के खांड़ा बांध के ऊपर स्थित जंगल में निरंतर 16 दिनों से ठहरा हुआ है जो रात होते ही पहाड़ से उतरकर खांडा बांध में नहाने एवं पानी पीने बाद जंगल में बसे मोहन उर्फ ललऊ पिता स्व, शिवमंगल सिंह गोंड के कच्चे मकान को निरंतर 6 दिनों तक अचानक पहुंचकर तोड़फोड़ कर पूरे घर को तहस नहस कर दिया है ग्रामीण मोहन द्वारा अपने कच्चे घर को बचाने के लिए घर के चारों ओर बैर, बबूल एवं अन्य तरह के कटीले पेड़ों एवं दूसरी तरीके के कटीले पेड़ों की डगालियों को घर के चारों तरफ रखा हुआ है।

खबर संक्षेप

45 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए पोस्ट मास्टर श्रीराम पाण्डेय

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस स्थानीय डाक विभाग में कर्मठता और मृदुभाषी व्यवहार के लिए पहचाने जाने वाले श्रीराम पाण्डेय अपनी लंबी यादगार सेवाओं के पश्चात सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके सम्मान में डाकघर परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। जहाँ सहकर्मियों और पारिवारिक सदस्यों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। लगभग साढ़े चार दशक का अटूट सफर रहा श्री पाण्डेय ने डाक विभाग में 45 वर्ष और 6 माह की लंबी सेवा अवधि पूर्ण की। जो अपने आप में एक मिसाल है कि उन्होंने अपनी सेवाएं देते हुए तेंदूखेड़ा तहसील के अंतर्गत अपनी पारी का समापन किया। उनके कार्यकाल के दौरान तकनीकी बदलावों के बावजूद उन्होंने समय के साथ खुद को ढाला और सेवाएं प्रदान कीं।

विदाई समारोह के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि श्रीराम पाण्डेय केवल एक शासकीय सेवक नहीं बल्कि क्षेत्र के लोगों के बीच अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन किया।जो आज के दौर में प्रेरणादायक है। इस अवसर पर सहकर्मियों एवं पारिवारिक सदस्यों ने शॉल श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर डाक विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

मंदिर की छत पर विद्युत केबिल से खतरा

तेंदूखेड़ा।समीपी ग्राम डोभी में बस स्टैंड पर स्थित देव मुरलीधर मंदिर की छत पर बिछाई गई विद्युत केबिल लाइन बड़े खतरे का कारण बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केबल बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के खुले में डाली गई है।

जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मंदिर में नियमित रूप से धार्मिक कार्यक्रम पूजा पाठ आयोजन होते रहते है। जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। भीड़भाड़ के दौरान कई बार बच्चे छत पर खेलने चले जाते हैं, वहीं कुछ लोग भी व्यवस्था देखने या अन्य कारणों से छत पर पहुंचते हैं। ऐसे में खुले में पड़ी विद्युत केबल से करंट लगने का खतरा बना रहता है। स्थिति को देखते हुए लोगों में भय का माहौल है और वे छत पर जाने से कतराने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या की जानकारी बिजली विभाग के लाइनमैन और संबंधित अधिकारियों को कई बार दी जा चुकी है।लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विभाग की लापरवाही के चलते लोगों की जान जोखिम में बनी हुई है। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस केबल लाइन को सुरक्षित तरीके से व्यवस्थित किया जाए या उसे हटाया जाए ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को टाला जा सके। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

4 परीक्षा केन्द्रों में 1824 परीक्षार्थी होंगे शामिल

राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मप्र लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन 26 अप्रैल 2026 को दो सत्रों में सम्पन्न होगा। पहला सत्र प्रात 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2:15 बजे से सायं 4:15 बजे तक होगी। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर संभागीय प्रेक्षक डॉ. अशोक कुमार भार्गव (आईएएस) ने जिले में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा के लिए शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला कॉलेज नरसिंहपुर, शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट उच्च. माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों के लिए वाहन पार्किंग स्थल, बैरीकेट्स, सुरक्षा व्यवस्था, बायोमेट्रिक, साफ-सफाई, फ्रिस्किंग, बीओआईपी व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, विद्युत एवं जनरेटर की व्यवस्था, पंखे, टायलेट की व्यवस्था, पुलिस कंट्रोल रूम, चिकित्सा सुविधा इत्यादि व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। परीक्षा में 4 परीक्षा केंन्द्रो में 1824 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

1824 परीक्षार्थी होंगे शामिल

निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में बनाए गए परीक्षा केन्द्र शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला कॉलेज नरसिंहपुर में 450, शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 500, शासकीय उत्कृष्ट उच्च. माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में 500 और शासकीय पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में 374 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस प्रकार नरसिंहपुर के 4 परीक्षा केन्द्रों में कुल 1824 परीक्षार्थी शामिल होंगे। संभागीय प्रेक्षक डॉ. भार्गव ने राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए परीक्षा में नियुक्त अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर परीक्षा प्रभारी अधिकारी श्रीमती देवंती परते, एसडीएम मणिन्द्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानू चैधरी, सीएमओ नगर पालिका नीलम चौहान सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कैमरों से परीक्षा केन्द्रों की रहेगी निगरानी

संभागीय पर्यवेक्षक डॉ. अशोक भार्गव ने राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा को सुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए आयोग द्वारा जारी नवीन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करने को कहा। जिसके तहत परीक्षा केन्द्रों में सीसीटीवी सर्विलांस, बायोमेट्रिक फ्रिक्सिंग एवं बीओआईपी की व्यवस्था लागू की गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत समस्त परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी को परीक्षा के 90 मिनिट पूर्व अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाना है। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की त्रि-स्तरीय जांच की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश द्वार पर अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी चस्पा करना अनिवार्य होगा। उन्होंने निर्देशित किया कि राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से कराना सुनिश्चित करें। परीक्षा केन्द्रों में आने वाले परीक्षार्थियों की तलाशी ली जाएगी, जिससे परीक्षार्थी वर्जित वस्तुएं लेकर प्रवेश न कर सकें। परीक्षार्थियों की जांच दोनों सत्रों में नियमित रूप से की जाएगी। पुरुष परीक्षार्थियों की जांच पुरुष वीक्षकों और महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला वीक्षक द्वारा केबिन में की जाएगी।

परीक्षा कक्ष में वर्जित वस्तुएं

राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थी के लिए स्टेशनरी संबंधी सामग्री जैसे पेंसिल, रबर (इरेजर), व्हाइटनर, स्केल, बैग्स, पठन सामग्री, आई.टी. गैजेट्स व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, पेनड्राइव, कैल्कुलेटर, ब्लूटूथ, हैंडफ्री, डिजिटल घड़ी, स्मार्ट घड़ी, एनालॉग घड़ी, कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या कोई ऐसा उपकरण जो संचार उपकरण के रूप में उपयोग किए जाते हैं, वर्जित रहेंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा के समय परीक्षार्थी अपने साथ ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले बनाने के लिए निर्धारित स्याही का पेन, स्वयं का फोटो (यदि आवश्यक हो), पानी की पारदर्शी बॉटल, दिव्यांग परीक्षार्थियों के उनके लिए 3 आवश्यक सामग्री और अन्य कोई सामग्री जो ई-प्रवेश पत्र में निर्दिष्ट हो, साथ में लेकर आ सकते हैं। हिजाब, पगड़ी, पल्ला, हाथ में बंधे धागेध्बंधक (कलावा) व ताबीज तथा अन्य धार्मिक मान्यता की वस्तुओं का सूक्ष्मता से परीक्षण किया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में धार्मिकध्सामाजिक प्रतीकों को काटने-फाड़ने या बलपूर्वक हटाने की अनुमति नहीं रहेगी।

ट्रांसफार्मर क्षमता बढ़ाने से वोल्टेज की समस्या का हुआ निदान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भीषण गर्मी में विद्युत व्यवस्था सुचारू से संचालित करने के लिए बिजली विभाग में कई कदम उठाये हैं। खासकर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि से वोल्टेज की समस्या से निदान मिला है। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नरसिंहपुर व्रत के अधीक्षण अभियंता नीलाभ श्रीवास्तव के निर्देश पर पूरे जिले में सब स्टेशनो को चिन्हित कर पावर ट्रांसफॉर्मर की समस्या से निजात दिलाने हेतु लगातार क्षमता वृद्धि का कार्य किया जा रहा है। अधिक्षण अभियंता नीलाभ श्रीवास्तव के सख्त निर्देश जारी किए हैं कि दोनों डिविजन के कार्यपालन अभियंता ओर एस टी एम कार्यपालन अभियंता सभी अपने अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सब स्टेशन को चिन्हित कर क्षमता वृद्धि का कार्य तीव्र गति से करें। क्षमता वृद्धि होने से किसानों ने उर्जा विभाग का धन्यवाद ज्ञापित किया है कि इस प्रकार की विभाग की कार्य प्रणाली से जनता को राहत मिलेगी।

दो वर्षीय बालिका के बलात्संग के आरोपी को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विशेष न्यायालय (पाक्सो एक्ट) नरसिंहपुर श्रीमती ज्योति मिश्रा ने दो वर्ष एवं तीन महीने की अबोध बालिका के साथ उसका अपहरण कर बलात्संग करने वाले आरोपी श्याम लाल उम्र 26 वर्ष निवासी थाना गोटेगांव को धारा 5(एम)/6 पाक्सो अधिनियम के अपराध का दोषी पाते हुये 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 3000 रुपये के जुर्माना एवं धारा 87 भारतीय न्याय संहिता के अपराध का दोषी पाते हुये 3 वर्ष के कठोर कारावास एवं 2000 रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

कलेक्टर उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने करेली- भुगवारा रोड स्थित उपार्जन केंद्र एवं राधारमण वेयरहाउस कौड़यि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान करेली-भुगवारा रोड स्थित उपार्जन केंद्र पर व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। वहीं राधारमण वेयर हाउस कौड़यि में व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देशित किया कि उपार्जन केंद्रों में खरीदी के दौरान किसान की उपज का एफएक्यू एवं नॉन-एफएक्यू के मानकों के अनुसार परीक्षण किया जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। समिति को निर्देशित किया कि केंद्र पर किसानों के लिए पेयजल, बैठने और अन्य समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही गेहूं की साफ-सफाई के लिए पंखा, ग्रेडर मशीन की उपलब्धता तथा बोरियों में टैग लगाने की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। निरीक्षण के दौरान तौल-कांटे का भी जायजा लिया। कलेक्टर ने सर्वेयरों को निर्देशित किया कि वे उपार्जन नीति के अनुसार ही कार्य करें, गुणवत्ता परीक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी अभिलेखों का सही एवं सुव्यवस्थित संधारण किया जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्रों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

विधायक निधि से नगर पालिका को मिले दो पेयजल फायर फाइटर पंप टैंकर

भीषण गर्मी में पेयजल आपूर्ति और आगजनी की घटनाओं से निपटने में मिलेगी राहत

गोटेगांव। नगर में लगातार बढ़ती गर्मी और पेयजल संकट को देखते हुए गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेंद्र नागेश द्वारा विधायक निधि से नगर पालिका परिषद को दो पेयजल फायर फाइटर पंप टैंकर उपलब्ध कराए गए हैं। इन टैंकरों की क्षमता 5000-5000 लीटर है, जिनका उपयोग नगर के विभिन्न वार्डों में पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ आगजनी जैसी आकस्मिक घटनाओं में तत्काल राहत पहुंचाने के लिए किया जाएगा। नगर पालिका परिसर में आयोजित संक्षिप्त वितरण कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका पदाधिकारियों की उपस्थिति में इन टैंकरों को नगर पालिका प्रशासन को सौंपा गया। इस अवसर पर नगर पालिका

उपाध्यक्ष प्रतिनिधि पंकज चौकसे ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक महेंद्र नागेश लगातार जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकास कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं। नगर क्षेत्र में भी सड़क, नाली, पेयजल, सामुदायिक भवन एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए विधायक निधि से राशि स्वीकृत की जा रही है। गर्मी के मौसम में नगर के कई हिस्सों में पानी की समस्या गंभीर हो जाती है, ऐसे में इन पेयजल टैंकरों से नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।इसके अतिरिक्त फायर फाइटर पंप लगे होने के कारण नगर में अचानक लगने वाली आग की घटनाओं में भी इनका उपयोग किया जा सकेगा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल को जनहित में उपयोगी बताते हुए विधायक के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कलेक्टर ने किया चिनकी-बोरास परियोजना का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नर्मदा घाटी विकास विभाग की निर्माणाधीन चिनकी-बोरास बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना अंतर्गत बोरास-बराज के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बराज के तकनीकी पहलुओं जैसे शीट पाइल, डायफ्राम वॉल एवं राफ्ट फाउंडेशन पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही निर्माण स्थल पर चल रहे पियर निर्माण, वर्टिकल गेट एवं डेक स्लैब कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने परियोजनांतर्गत प्रस्तावित 5 मेगावाट पावर हाउस एवं रेस्ट हाउस के निर्माण स्थलों की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर को अवगत कराया गया कि इस परियोजना से तेंदूखेड़ा विकासखंड की लगभग 41 हजार 100 हेक्टर भूमि सिंचित होगी, जिससे क्षेत्र के कृषकों को महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होगा। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्रीमती कलावती व्यारे, कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग नरसिंहपुर, समस्त सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर मौजूद थे।

मॉडल रोड की दोनों पट्टियों पर अतिक्रमण, तहसील कार्यालय के सामने पैदल चलना दूभर

गोटेगांव। नगर के प्रमुख एवं व्यस्ततम मॉडल रोड पर अतिक्रमण की समस्या लगातार विकराल होती जा रही है। तहसील कार्यालय के सामने सड़क की दोनों साइड की पट्टियों पर होटल संचालकों, दुकानदारों एवं ठेला व्यवसायियों ने अवैध कब्जा जमा लिया है, जिससे राहगीरों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे बनाई गई सार्वजनिक पट्टियां नागरिकों की सुविधा और यातायात सुगमता के लिए थीं, लेकिन अब वे पूरी तरह अतिक्रमणकारियों के कब्जे में हैं। दुकानों के बाहर सामान फैलाकर रखा जा रहा है, अस्थायी शेड बना दिए गए हैं और कुछ स्थानों पर अवैध बिजली कनेक्शन तक कर लिए गए हैं।

इस अतिक्रमण के कारण सड़क किनारे वाहनों की लंबी कतारें लगती हैं, जिससे मार्ग संकरा होकर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। यही हाल जनपद पंचायत कार्यालय के सामने और परमहंसी मार्ग पर भी देखने को मिल रहा है, जहां सड़क का बड़ा हिस्सा व्यवसायिक उपयोग में ले लिया गया है। नगरवासियों का कहना है कि नगर पालिका और प्रशासन की अनदेखी के कारण अतिक्रमणकारियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। यदि समय रहते अभियान चलाकर इन्हें नहीं हटाया गया तो आने वाले समय में मुख्य मार्गों पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो सकता है। नागरिकों ने नगरीय प्रशासन से तत्काल अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने की मांग की है।

मिलावटी दूध का काला कारोबार, सेहत से खिलवाड़ कर मुनाफाखोरी में जुटे डेयरी संचालक

डिटर्जेंट, यूरिया और कास्टिक सोडा से तैयार हो रहा नकली दूध, नागरिकों में आक्रोश

गोटेगांव। नगर में इन दिनों मिलावटी दूध बेचने वाली डेयरियों का अवैध कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग की निष्क्रियता के कारण मिलावटखोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि खुलेआम नागरिकों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। नगर के काली माता मंदिर क्षेत्र सहित कई स्थानों से मिलावटी दूध बेचे जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार कुछ डेयरी संचालक अधिक मुनाफा कमाने के लालच में दूध में डिटर्जेंट, कास्टिक सोडा, यूरिया, स्टार्च एवं वनस्पति तेल जैसे खतरनाक रसायनों का उपयोग कर उसकी मात्रा बढ़ा रहे हैं। इतना ही नहीं, नाप-तौल में भी गड़बड़ी कर उपभोक्ताओं को कम मात्रा में दूध देकर पूरी कीमत वसूली जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रकार का मिलावटी दूध बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इससे पेट संबंधी रोग, लीवर की समस्या, त्वचा रोग और अन्य गंभीर

बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। नागरिकों का कहना है कि डेयरी संचालन के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण से लाइसेंस आवश्यक है, लेकिन नगर में कई डेयरियां बिना वैध अनुमति के संचालित हो रही हैं।

स्थानीय लोगों ने संबंधित खाद्य विभाग से मांग की है कि केवल कागजी खानापूर्ति बंद कर औचक निरीक्षण किए जाएं, दूध के नमूने जांच के लिए भेजे जाएं और दोषी पाए जाने वाले संचालकों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। नागरिकों ने लोगों से भी अपील की है कि दूध खरीदते समय गुणवत्ता पर ध्यान दें और संदेह होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं।